(ख) आयात के सभी मामले सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई नीति के अनुसार निपटाये जाते है। आयात निर्यात के मुख्य नियंत्रक द्वारा आयात लाइसेंसों, निर्यात लाइसेंसों तथा औद्योगिक लाइसेंसों की एक साप्ताहिक बुलेटिन प्रकाशित की जाती है तथा इन प्रकाशनों की प्रतियां संसद् पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

(ग) स्वीकृति समिति औद्योगिक लाइसेंस के आवेदनों पर की गई जांच पड़ताल जहां कही आवश्यक हो, के आधार पर औद्योगिक लाइसेंस संबंधी नियमों के अंतर्गत सिफारिश करती है, संबंधित प्रशासनिक, तकनीकी प्राधिकारियों द्वारा समिति को एक रिपोर्ट पेश की जाती है।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA) : (a) In respect of undertakings registered under the MRTP Act, 1969. 50 letters of intent were granted during the period January-October 1980.

Details of licences letters of intent issued are published monthly giving name of undertakings, the article of manufactures applied for, the nature of the industrial licences (New undertaking, substantial expansion or new article) as well as the location.

The amonnt of expenditure incurred thereon and the employment are dependent upon the actual implementation of the letter of intent/industrial licences, and no centralised statistics are maintained of these.

(b) All imports are governed by the Import Policy announced by Government from time to time. A weekly bulletin of import licences, export licences and industrial licences, is published by the C.C.I. & E. and copies of these publications are available in Parliament Library.

(c) The Approvals Committee, under the Industrial Licensing Rules makes a recommendation in respect of industrial licensing applications on the basis of investigations as may be necessary and a report submitted to the Committee by the concerned administrative/technical authorities.]

† [ ] English translation.

Hindustan Photo Films Ltd.

2029. SHRI M. S. RAMACHANDRAN : Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state :

(a) whether the proposal for expansion of Hindustan Photo Films Ltd., Ootacamandalam for manufacturing of colour Films has been accepted by Government ;

(b) if so, hat ware the reasons for the delay in starting the project ; and

(c) what is the estimated cost of the project and the employment potential ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA) : (a) The project for the manufacture of Cine Colour Positive Film is under Government's consideratian.

(b) Does not arise.

(c) The estimated cost of the project is about Rs. 140 crores and the employment potential about 765.

भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड का उत्पादन

2030. श्री प्यारे लाल खंडेलवाल : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल में 1978-79 और 1979-80 के वर्षों के दौरान अलग-अलग

कुल कितने करोड़ रुपये का उत्पादन हुआ ;

(ख) उपर्युक्त उत्पादन से एकक द्वारा 1978–79 और 1979–80 के वर्षों के दौरान अलग-अलग कितना वास्तविक लाभ अर्जित किया गया ; और

(ग) कम्पनी द्वारा अर्जित किये गये वास्तविक लाभ के आधार पर दो वर्षों मे प्रतिवर्ष कितना बोनस दिया गया ?

†[**Production of BHEL**

2030. SHRI PYARELAL KHANDELWAL : Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state :

(a) the total production of the Bharat Heavy electrical limited Bhopal in terms of crores of rupees during the years 1978-79 and 1979-80 separately ;

(b) what is the net profit earned by the unit from the said production during the years 1978-79 and 1979-80 separately ; and

(c) the amount of bonus paid in each of the two years on the basis of the net profit earned by the company ?]

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरणजीत चानना) : (क) वर्ष 1978–79 और 1979–80 में बी०एच०ई०एल० के भोपाल एकक में कुल उत्पादन निम्न-प्रकार हुआ था :—

वर्ष	उत्पादन रुपये/करोड़
1978–79 . .	121
1979–80 . .	128

(ख) जानकारी नीचे दी जाती है :—

(रु० लाख में)

	1978–79	1979–80
(1) शुद्ध लाभ (कर पूर्व) और पहले की अवधि के संमजनों से पूर्व .	404	129
(2) पहले की अवधि के संमजनों के बाद शुद्ध लाभ	594	223 (हानि)

(ग) बोनस अधिनियम के अधीन दिए गए बोनस की राशि इन दो वर्षों में निम्न-लिखित है :—

(रुपये/लाख)

1978–79 . .	271
1979–80 . .	162

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA) : (a) Total production in Bhopal Unit of BHEL during the years 1978-79 and 1979-80 was as under :

(Rs. in crores)

Year	Production
1978-79	121
1979-80	128

†[ ] English translation

(b) The information is given below :

	(Rs. in lakhs)	
	1978-79	1979-80
(i) Net profit (before tax) & before prior period adjustments	404	129
(ii) Net profit after prior period adjustments . .	594	223 (Loss)

(c) The amount of bonus paid under the Bonus Act for these two years is as under :—

	Rs. / lakhs
1978-79	271
1979-80	162]

भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड के रख-रखाव पर खर्च

2031. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड, के दिल्ली में स्थित निगमित कार्यालय के रख-रखाव पर 1975, 1976, 1977, 1978 और 1979 के वर्षों के दौरान कार्यालय के खर्च के रूप में क्रमश: कुल कितना धन खर्च किया गया ; और

(ख) भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स की विभिन्न शाखाओं में उक्त खर्च को शाखा-वार किस अनुपात में वितरित किया गया ?

†[**Expenditure on the maintenance of BHEL**

2031. SHRI PYARELAL KHANDELWAL : Will the minister of INDUSTRY be pleased to state :

(a) the total amount spent as office expenses on maintenance of the corporate office of the Bharat Heavy Electricals in Delhi during the years 1975, 1976, 1977, 1978 and 1979 respectively ; and

(b) the ratio in which the said amount of expenditure was distributed among the various branches of the Bharat Heavy Electricals, branch-wise ?]

†[ ] English translation.

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरणजीत चानना) : (क) बी० एच० ई० एल० के कारपोरेट कार्यालय संगठन में निम्नलिखित प्रभाग हैं :—

(1) कारपोरेट कार्मिक
(2) नियोजन तथा विकास
(3) कारपोरेट वित्त
(4) कारपोरेट विपणन
(5) प्रणाली दल
(6) कारपोरेट इंजीनियरी दल
(7) गुणवता आश्वासन दल

1975 से 1979 तक इन प्रभागों पर हुआ कुल व्यय निम्न प्रकार है :—

वर्ष	लाख रु० में
1975—76 . .	147
1976—77 . .	232
1977—78 . .	234
1978—79 . .	193
1979—80 . .	226

(ख) विभिन्न प्रभागों को धन के आवंटन के लिए कोई निश्चित अनुपात नहीं है ; आवंटन विभिन्न प्रभागों की आवश्यकताओं तथा कार्य निष्पादन के आधार पर किया जाता है ।